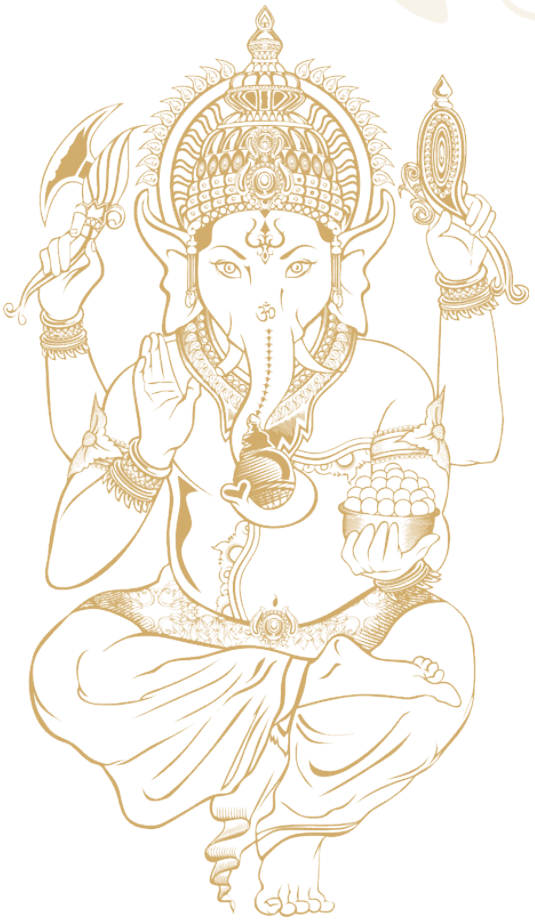

Baby

21 Feb 2026

02:13 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121391103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:13:00 घंटे**
इष्ट	18:14:32 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:51:04 घंटे
वेलान्तर	-00:13:37 घंटे
साम्पातिक काल	23:56:13 घंटे
सूर्योदय	06:55:11 घंटे
सूर्यास्त	18:16:19 घंटे
दिनमान	11:21:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:30:04 कुम्भ
लग्न के अंश	17:06:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	बव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:06:32	317:06:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	08:30:04	01:00:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	27:08:52	13:57:27	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	28:30:10	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	26:23:16	00:46:30	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:22:40	00:03:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	19:27:30	01:14:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			मीन	06:36:16	00:06:54	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:20	00:00:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:20	00:00:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:02	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:33:04	00:02:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:05:43	00:01:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:44:46	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

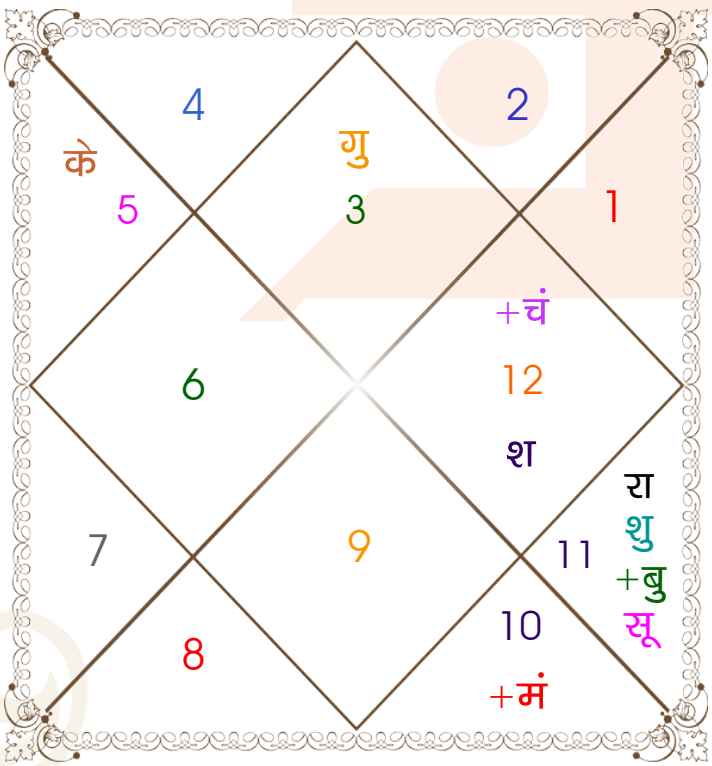

चन्द्र कुंडली

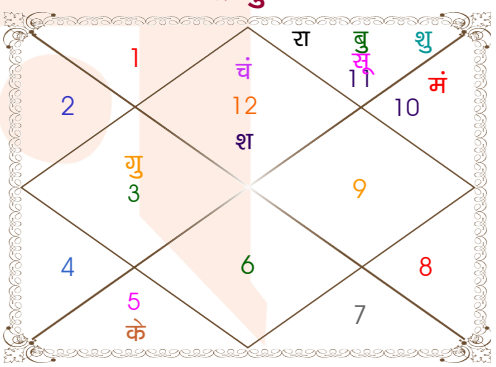

नवमांश कुंडली

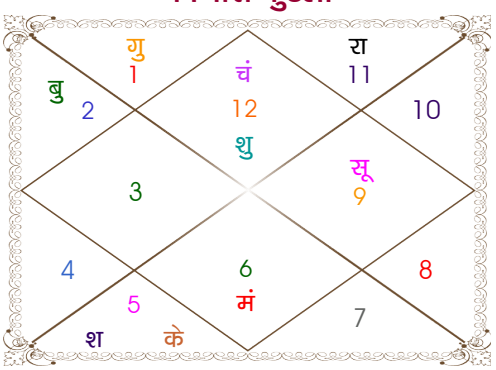

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 7 मास 19 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/02/2026		11/10/2029		11/10/2036		11/10/2056		12/10/2062	
11/10/2029		11/10/2036		11/10/2056		12/10/2062		11/10/2072	
	00/00/0000	केतु	09/03/2030	शुक्र	11/02/2040	सूर्य	29/01/2057	चंद्र	12/08/2063
	00/00/0000	शुक्र	10/05/2031	सूर्य	10/02/2041	चंद्र	30/07/2057	मंगल	12/03/2064
	00/00/0000	सूर्य	14/09/2031	चंद्र	12/10/2042	मंगल	05/12/2057	राहु	11/09/2065
	00/00/0000	चंद्र	14/04/2032	मंगल	12/12/2043	राहु	30/10/2058	गुरु	11/01/2067
	00/00/0000	मंगल	11/09/2032	राहु	11/12/2046	गुरु	18/08/2059	शनि	11/08/2068
	00/00/0000	राहु	29/09/2033	गुरु	11/08/2049	शनि	30/07/2060	बुध	11/01/2070
	21/02/2026	गुरु	05/09/2034	शनि	11/10/2052	बुध	05/06/2061	केतु	12/08/2070
गुरु	01/02/2027	शनि	15/10/2035	बुध	12/08/2055	केतु	11/10/2061	शुक्र	11/04/2072
शनि	11/10/2029	बुध	11/10/2036	केतु	11/10/2056	शुक्र	12/10/2062	सूर्य	11/10/2072

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/10/2072		12/10/2079		11/10/2097		12/10/2113		12/10/2132	
12/10/2079		11/10/2097		12/10/2113		12/10/2132		00/00/0000	
मंगल	09/03/2073	राहु	24/06/2082	गुरु	30/11/2099	शनि	15/10/2116	बुध	11/03/2135
राहु	28/03/2074	गुरु	17/11/2084	शनि	13/06/2102	बुध	25/06/2119	केतु	07/03/2136
गुरु	04/03/2075	शनि	24/09/2087	बुध	18/09/2104	केतु	03/08/2120	शुक्र	06/01/2139
शनि	11/04/2076	बुध	12/04/2090	केतु	25/08/2105	शुक्र	04/10/2123	सूर्य	12/11/2139
बुध	09/04/2077	केतु	30/04/2091	शुक्र	25/04/2108	सूर्य	15/09/2124	चंद्र	13/04/2141
केतु	05/09/2077	शुक्र	30/04/2094	सूर्य	11/02/2109	चंद्र	16/04/2126	मंगल	10/04/2142
शुक्र	05/11/2078	सूर्य	25/03/2095	चंद्र	13/06/2110	मंगल	26/05/2127	राहु	27/10/2144
सूर्य	13/03/2079	चंद्र	23/09/2096	मंगल	20/05/2111	राहु	01/04/2130	गुरु	22/02/2146
चंद्र	12/10/2079	मंगल	11/10/2097	राहु	12/10/2113	गुरु	12/10/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।